

प्रेषक,

राधा रतूड़ी
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास
देहरादून, उत्तराखण्ड।

महिला सश0, बाल0 वि0 एवं सैनिक क0 अनुभाग देहरादून: दिनांक 12 जनवरी, 2008
विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में सैनिक कल्याण विभाग हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्रांक संख्या-2002/बजट/सै.क./पुन./07-08/ दिनांक 31 अगस्त, 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 में 0301-सैनिक मुख्यालय के 05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय मद से रुपये 20,000/- (रुपये बीस हजार मात्र) एवं 27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति मद से रुपये 20,000/- (रुपये बीस हजार मात्र) कुल रुपये 40,000/- (रुपये चालीस हजार मात्र) की धनराशि को मद संख्या-18 प्रकशन में पुनर्विनियोग के माध्यम से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
2. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल अनुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति, यदि आवश्यक हो तो, ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
3. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
4. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अंतर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध करना सुनिश्चित किया जाए।
6. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।
7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अंतर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

8. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के "आयोजनेत्तर पक्ष" के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण-60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम-200-अन्य कार्यक्रम-03-सैनिक कल्याण-0301-सैनिक मुख्यालय के मानक मद 18-प्रकाशन में संलग्न प्रारूप के कॉलम-5 के सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न प्रारूप बी0एम0-15 के पुनर्विनियोग कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या- 398(NP)/XXVII(3)/2008, दिनांक 15 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(राधा रतूड़ी)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 01 (I)/XVII(2)/2008-09(16)/2007 तदुदिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-भा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(राधा रतूड़ी)
सचिव।

बी०एस०-१५
(पेज-१५४)

वित्तीय वर्ष २००७-०८
प्र० विभाग- सै०क० विभाग
(धनराशि हजार रुपये में)

निबंधक अधिकारी-शक्ति, सैनिक कल्याण, उत्तराखण्ड शासन।

बजट प्राविधानित लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार आवधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस धनराशि)	लेखाधिक जिसमें धनराशि की जानी है	पुनर्विनियोग के बाद सराज-५ की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद कॉलम-१ में अवशेष धनराशि	अभ्युचित
१	२	३	४	५	६	७	८
अनुदान संख्या-०१५				अनुदान संख्या-०१५			
२२३५-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण अंतर्जाल, ६०-अन्त सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम, २००-अन्त कार्यक्रम, ०३-सैनिक कल्याण, ०३०१-सैनिक मुखालय, २७-विधित्व व्यय प्रतिपूर्ति	५०	१०	४०	२२३५-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण अंतर्जाल, ६०-अन्त सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम, २००-अन्त कार्यक्रम, ०३-सैनिक कल्याण, ०३०१-सैनिक मुखालय, २७-विधित्व व्यय प्रतिपूर्ति			वर्तमान में आसीदित धनराशि पर्याप्त नहीं है, क्योंकि इसी मद से लीफलेट का भी प्रकाशन प्रस्तावित है।
०५-स्वाभाविक रात्रा व्यय	४०	४०	४०	१८-प्रकाशन		३०	
कुल						६०	
					६५	९०	

(रुपये चालीस हजार मात्र)

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद १५०, १५१, १५५, में उल्लिखित प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त (व्याय नियंत्रण) अनु-०३

संख्या- ३५६/११/XXVII-3/2007

देहरादून १५ जनवरी, २००८

सेवा में,

महालेखाकार,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

(राधा स्तूही)

सचिव, सैनिक कल्याण विभाग

उत्तराखण्ड शासन।

पुनर्विनियोग सर्विस

(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।